

यशोदा के जीवन हमें न भुलाना  
चरणों की चेरी कभी ना भुलाना।

तेरी याद में मैं रोती हूं निशदिन  
युग सम गुज़रती है इक पल छिन  
बताओ प्यारे कभी होगा आना॥

नई नई लीला तुमने दिखाई  
मुस्कान माधुरी लालन लखाई  
अब तो पड़ा है नित आसूं बहाना॥

नित नित संदेशो पथिकों को देकर  
कुशल तेरा पूछूं मनुहारें लेकर  
देखा है भैया मेरा प्यारा कान्हा॥

वही वृन्दावन यमुना का तट है  
वही निकुञ्जे वही बंसी वट है  
हाय न इक तेरा मुरली बजाना॥

प्यारे कान्हा आकर माखन लुटाओ  
दही दान लेकर मटकी गिराओ  
सुधा से सरस तेरा राह में खिझाना॥

चिर चिर जीवो प्राणनि प्यारे

मैगसि मैया के हो नैननि के तारे  
बताओ कब तेरा देखें मुस्कराना॥